(ग) त्रिपक्षीय समिति की सिफारिश का उपयुक्त कार्रवाही के लिए जांच की गई है कुछ मामलों में उस पर पहले ही कार्रवाही कर ली गई है जबकि कुछ अन्य मामलों में उन्हें स्वीकार्य नहीं पाया गया है। अन्य मंत्रालयों से संबंधित सिफारिशों के मामले राज्य सरकार द्वारा संबंधित मंत्रालयों के साथ उठाये गये हैं । कुछ मामलों में राज्य सरकार को स्वयं कार्रवाई करनी पड़ती है।

हीरों के आभूषणों का निर्यात

442. श्री बीरी इंदिरेश : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हीरे के आभूषणों के निर्यात के संबंध में तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भारत की क्या स्थिति है तथा इस उद्योग से प्रतिवर्ष कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की जाती है ;

(ख) प्रत्येक राज्य में इस उद्योग में कितने-कितने व्यक्ति लगे हुए हैं ;

(ग) इस उद्योग का विकास करने के लिए क्या भावी योजनाएं हैं ; और

(घ) इस उद्योग के व्यापारियों और कारीगरों द्वारा किन-किन समस्याओं का सामना किया जा रहा है और इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है अथवा किये जाने का विचार है ?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पोडे आर० दास मुंशी) : (क) हालांकि हीरे जड़ित आभूषणों के लिए अलग से आंकड़े नहीं रखे जाते, फिर भी वर्ष 1988–89 के दौरान अनन्तिम रूप से 163 करोड़ रुपये स्वर्ण आभूषणों का निर्यात होने का अनुमान लगाया गया है जबकि 1987–88 में इनका निर्यात 86 करोड़ रु० का हुआ था ।

(ख) राज्यवार अलग-अलग आंकड़े नहीं रखे जाते हैं फिर भी अनुमान है कि भारत में लगभग 10 लाख प्रमाणत स्वर्णकार हैं ।

(ग) और (घ) इस उद्योग में व्यापारियों और शिल्पियों के सामने आ रही समस्याओं में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित भी शामिल हैं :—विदेशी खरीदारों द्वारा कीमती पार्सलों को स्वय ले जाने क अनुमति 15 किग्रा से अनुधिक स्वर्ण/चांदी के आभूषणों को डाक पार्सल से निर्यात करने की अनुमति तथा चांदी के आभूषणों पर मूल्य वर्धन आवश्यकताओं को 25% से घटा कर 20% किया जाना । भारत से हीरे जड़ित और अन्य आभूषणों के निर्यात के क्षेत्र-विस्तार के लिए सरकार ने आभूषणों के निर्यात में वृद्धि हेतु अनेक उपाय किये हैं । इनमें शामिल हैं:— स्वर्ण नियंत्रण अधिनियम (1968) के अंतर्गत कार्य प्रणाली को सरल बनाना, मूल्यांकन व्यवस्थाओं का सरल और संकरर बनाना, निर्यात विनिर्माण के लिये ऋणों की उपलब्धता में सुधार, भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम द्वारा स्वर्ण के स्टाक और सप्लाई की व्यवस्था, कार्य-चालनप्रणालियों को सरल और सुकर बनाना इत्यादि । इन उपायों से दीर्घावधि आधार पर आभूषणों के निर्यात में वृद्धि होने की आशा है।

Arms factory unearthed in New Seemapuri, Delhi

443. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state.

(a) whether Government's attention has been drawn to a report which appeared in the Hindustan Times of the 16th March, 1989 to the effect that an arms factory was unearthed in New Seemapuri in Delhi on March 15, 1989; and

(b) if so, what are the details of investigations made into the matter and the arms recovered fro$_m$ the illegal factcrj'7

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC